Dr. S. S. Pandey

TOPIC

भारत में साम्प्रदायिकता

Communalism in India

TOPIC : भारत में साम्प्रदायिकता / Communalism in India

- साम्प्रदायिकता का अर्थ
- साम्प्रदायिकता के दुष्परिणाम
- उन्मूलन हेतु किए गए प्रयास
- भारत में साम्प्रदायिकता का स्वरूप
- साम्प्रदायिकता के कारण
- उन्मूलन हेतु सुझाव

साम्प्रदायिकता का अर्थ
Meaning of Communalism

दो धार्मिक समुदाय का या एक ही धर्म के दो संप्रदायों के मध्य धार्मिक संदर्भ में घृणा, द्वेष व परस्पर अविश्वास के मनोभाव (Sentiment) को साम्प्रदायिकता (Communalism) की संज्ञा दी जाती है और इस प्रकार के मनोभाव से उत्पन्न संघर्ष को सांप्रदायिक दंगा / हिंसा (Communal Riot/Violence) कहा जाता है।

साम्प्रदायिकता, धार्मिकता (Religiosity) से भिन्न होती है और राजनीति से गहन रूप से जुड़ी हुई होती है क्योंकि एक साम्प्रदायिक व्यक्ति का अपने धर्म से अत्यधिक लगाव हो, यह आवश्यक नहीं है, परन्तु इससे उसके राजनीतिक हितों की पूर्ति होती हो, यह आवश्यक है।

भारत में साम्प्रदायिकता की प्रकृति
Nature of Communalism in India

1. हिंदू-मुस्लिम सांप्रदायिकता
2. हिन्दू-ईसाई सांप्रदायिकता
3. हाल में सिख धर्म के दो सम्प्रदायों के मध्य सांप्रदायिकता

भारत में साम्प्रदायिकता के दुष्परिणाम
Consequences of Communalism in India

1. विभिन्न धार्मिक समूहों के मध्य तनाव व संघर्ष में वृद्धि, फलतः सामूदायिक सौहार्दता कमजोर
2. राष्ट्रवाद की भावना कमजोर
3. राष्ट्रीय एकता एवं अखडंता को खतरा
4. सांप्रदायिक दंगों के परिणामस्वरूप जान-माल की हानि, निवेश में कमी और आर्थिक विकास (Economic Development) बाधित
5. आधुनिक भारत एवं धर्मनिरपेक्ष भारत के निर्माण की प्रक्रिया बाधित
6. राजनीतिक अस्थिरता एवं बहुसंख्यकों के राजनीतिक प्रभुत्व का खतरा

भारत में साम्प्रदायिकता का कारण
Causes of Communalism in India

1. अंग्रेजों की 'फूट डालो राज करो' (Divide and Rule) की नीति
2. भारतीय मुस्लिमों का पाकिस्तान के प्रति स्वाभाविक सहानभूति का हिन्दू जनमानस द्वारा नकारात्मक विश्लेषण
3. शाहबानो प्रकरण, तीन तलाक का मुद्दा आदि का राजनीतिक दलों द्वारा स्वार्थपूर्ण विवेचन
4. वैश्वीकरणजनित धार्मिक कट्टरतावाद एवं धार्मिक नृजातीयता में वृद्धि
5. अशिक्षा, गरीबी, बेरोजगारी, आर्थिक विषमता एवं सापेक्षिक वंचन
6. धार्मिक कट्टरपंथियों एवं राजनीतिक दलों की नकारात्मक भूमिका
7. विदेशी शक्तियों एवं मीडिया की नकारात्मक भूमिका

साम्प्रदायिकता उन्मूलन हेतु किए गए प्रयास
Efforts made to Eradicate Communalism

1. स्वतंत्रता के बाद भारत के लिए 'धर्मनिरपेक्ष राज्य' (Secular State) की घोषणा
2. अल्पसंख्यकों (Minorities) को विशेष संरक्षण व सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं के माध्यम से उनके विकास हेतु प्रयास

3. 1961 में राष्ट्रीय एकता परिषद् (National Integration Council) एवं 1992 में राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग (National Commission for Minorities) का गठन

4. 1976 में राष्ट्रीय एकीकरण हेतु गठित कार्यदल द्वारा सांप्रदायिक सद्भाव हेतु 7 सूत्री कार्यक्रम व उनका क्रियान्वयन

5. विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं एवं NGO (जैसे- 'अखण्ड भारत' व 'विश्व शांति') द्वारा इस दिशा में किए गए प्रयास

6. समय-समय पर इस दिशा में न्यायालय द्वारा दिए गए निर्देश व कानून द्वारा मीडिया को नियंत्रित करने का प्रयास

भारत में साम्प्रदायिकता को रोकने हेतु सुझाव
Suggestions to Check the Spread of Communalism in India

1. धर्मनिरपेक्षता को एक मजबूत विचारधारा के रूप में स्थापित किया जाए और इस दिशा में कार्य करने हेतु Media, NGO एवं Youth को प्रोत्साहन दिया जाये

2. सभी धार्मिक समूहों के मध्य सांस्कृतिक आदान-प्रदान द्वारा उनकों एक दूसरे के निकट लाया जाये और उनमें राष्ट्रवाद या 'हम सब एक है' की भावना का विकास किया जाये

3. साम्प्रदायिक मानसिकता रखने वाले व्यक्ति, नेताओं एवं दलों के विरूद्ध कठोर कारवाई की जाये

4. ऐसे धार्मिक संगठनों एवं दलों की पहचान कर उन पर प्रतिबंध लगाया जाये

5. दोष-निवारक उपाय जैसे-पुलिस, मिलिट्री तथा न्याय व्यवस्था को तटस्थ, सक्रिय एवं संवेदनशील बनाया जाए (सच्चर कमेटी)

6. अपवाहों पर नियंत्रण स्थापित करने हेतु Social Media को नियंत्रित किया जाए

7. मुस्लिमों के सामाजिक एवं शैक्षणिक समस्याओं का समाधान किया जाय

8. बहुसंख्यकों को अल्पसंख्यकों के प्रति उत्तरदायित्वपूर्ण भूमिका निर्वहन हेतु प्रेरित किया जाए

संभावित प्रश्न

- भारत में साम्प्रदायिकता की समस्या को दर्शाइए। इसने किस प्रकार सामाजिक सौहार्द्रता को कमजोर किया है? स्पष्ट कीजिए।

- भारत में साम्प्रदायिकता के धर्मनिरपेक्षता विरोधी रूपों की चर्चा कीजिए और भारत में धर्मनिरपेक्षता को सफल बनाने हेतु उपाय सुझाइए।

- भारत में साम्प्रदायिकता के उन्मूलन हेतु किये गए प्रयासों की समीक्षा कीजिए और इस दिशा में उपयुक्त सुझाव दीजिए।

- भारत में साम्प्रदायिकता के उद्‌भव एवं विकास हेतु वैश्वीकरण की भूमिका पर चर्चा कीजिए।

- "यद्यपि साम्प्रदायिकता धर्म से गहरे रूप से जूड़ी प्रतीत होती है, परन्तु साम्प्रदायिकता का मूल सरोकार राजनीति से है, धर्म से नहीं।" चर्चा कीजिए।

UPSC द्वारा विगत वर्षों में पूछे गए प्रश्न

- संजातीय पहचान एवं सांप्रदायिकता पर उत्तर-उदारवादी अर्थव्यवस्था के प्रभाव की विवेचना कीजिए।
  (250 शब्दों में उत्तर दें) UPSC - 2023

  Discuss the impact of post-liberal economy on ethnic identity and communalism. (Answer in 250 words) UPSC - 2023

- 'सांप्रदायिकता या तो शक्ति संघर्ष के कारण उभर कर आती है या आपेक्षिक वंचन के कारण उभरती है।' उपयुक्त उदाहरणों को प्रस्तुत करते हुए तर्क दीजिए।
  (250 शब्दों में उत्तर दें) UPSC - 2018

  'Communalism arises either due to power struggle or relative deprivation.' Argue by giving suitable illustration. (Answer in 250 words) UPSC - 2018

- स्वतंत्र भारत में धार्मिकता किस प्रकार साम्प्रदायिकता में रूपांतरित हो गयी, इसका एक उदाहरण प्रस्तुत करते हुए धार्मिकता एवं साम्प्रदायिकता के मध्य विभेदन कीजिए।
  (250 शब्दों में उत्तर दें) UPSC - 2017

  Distinguish between religiousness/religiosity and communalism giving one example of how the former has got transformed into the latter in independent India. (Answer in 250 words) UPSC - 2017

TOPIC

धार्मिक रूढ़िवाद

Religious Fundamentalism

धार्मिक रूढ़िवाद / Religious Fundamentalism

- धार्मिक रूढ़िवाद का अर्थ
- धार्मिक रूढ़िवाद का दुष्परिणाम
- मूल्यांकन एवं सुझाव
- धार्मिक रूढ़िवाद के लक्षण
- धार्मिक रूढ़िवाद का कारण

धार्मिक रूढ़िवाद का अर्थ

Meaning of Religious Fundamentalism

किसी धर्म की मान्यताओं के प्रति उस धर्म के अनुयायियों का अंधलगाव जहाँ वह अनुयायी अन्य धर्म के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण एवं उग्रता का प्रदर्शन करता है

धार्मिक रूढ़िवाद के लक्षण

Characteristics of Religious Fundamentalism

1. किसी धर्म की मान्यताओं में धर्मान्धता की सीमा तक विश्वास / प्रतिबद्धता
2. अपने ही धर्म के संदर्भ में सारी दुनियाँ को देखने की प्रवृत्ति
3. अपने परंपरागत धर्म को अंतिम सत्य के रूप में स्थापित करने का प्रयास
4. अपने धर्म से अलग समस्त जीवन शैली को भ्रष्ट मानते हुए उसके शुद्धिकरण का प्रयास
5. अपने धार्मिक विश्वास में धर्मांध एवं स्वरूप में आक्रामक
6. इसमें धार्मिक विश्वास मुख्यतः स्वयं का मत, जिसका धर्म में विद्यमान होना आवश्यक नहीं, जिसे रूढ़िवादी धर्म की पुर्नव्याख्या द्वारा धर्मसम्मत सिद्ध कर देते हैं
7. इसमें विज्ञान एवं विवेकवाद दोनों को अस्वीकार किया जाता है

धार्मिक रूढ़िवाद का दुष्परिणाम

Consequences of Religious Fundamentalism

1. सांप्रदायिक तनाव एवं संघर्ष में वृद्धि फलतः सामुदायिक सौहार्द्रता व राष्ट्रवाद की भावना कमजोर
2. विवेकसम्मत एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विरोध फलतः धर्मनिरपेक्षीकरण एवं आधुनिकीकरण की प्रक्रिया बाधित / धीमी
3. धार्मिक आतंकवाद का उद्भव
4. समकालीन विश्व की शांति व्यवस्था भंग

धार्मिक रूढ़िवाद का कारण

Causes of Religious Fundamentalism

1. धर्म आधारित नृजातीयकेन्द्रीयता (Ethnocentrism) की भावना एवं इसकी प्रतिक्रिया
2. रूढ़िवादी व्यक्तियों एवं संगठनों की नकारात्मक भूमिका
3. विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा सत्ता प्राप्ति हेतु जनता को लामबंद करने हेतु इसका प्रयोग
4. राष्ट्रवाद के विकास के लिए धर्म का प्रयोग
5. वैश्वीकरणजनित पहचान का संकट (Identity Crisis) एवं इसके समाधान हेतु लोगों द्वारा धर्म की ओर उन्मुखता में वृद्धि
6. विभिन्न व्यक्तियों एवं समाज के लोगों के द्वारा संगठन या दबाव समूह (Pressure Group) के आधार के रूप धर्म का प्रयोग

मूल्यांकन एवं सुझाव

Evaluation and Suggestions

1. तार्किक एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण (Rational and Scientific Approach) का अधिकाधिक प्रसार किया जाए
2. धर्मनिरपेक्षता को एक मजबूत विचारधारा के रूप में स्थापित किया जाए
3. सभी धर्मों को अधिकाधिक तार्किक एवं व्यवहारिक (Rational and Practical) बनाया जाए (धर्म का धर्मनिरपेक्षीकरण)
4. विभिन्न धार्मिक समुदायों (Religious Communities) के मध्य सांस्कृतिक अंतःक्रिया को प्रोत्साहित कर उन्हें एक-दूसरे के निकट लाया जाए
5. विभिन्न धार्मिक समुदायों के मध्य विद्यमान विषमता को समाप्त किया जाए

6. धर्मांध लोगों एवं संगठनों तथा राजनीतिक दलों की समाज विरोधी गतिविधियों को हतोत्साहित किया जाए
7. संचार साधनों, NGO's एवं युवाओं को इस दिशा में सकारात्मक भूमिका निर्वहन हेतु प्रेरित किया जाए

संभावित प्रश्न

- भारत में धार्मिक कट्टरतावाद की समस्याओं की चर्चा कीजिए और धर्मनिरपेक्षीकरण की प्रक्रिया पर इसके प्रभावों को दर्शाए।
- भारत में वैश्वीकरण के परिणाम के रूप में धार्मिक कट्टरतावाद पर चर्चा कीजिए?
- हाल के वर्षों में भारत में धार्मिक कट्टरतावाद ने साम्प्रदायिकता की समस्या को तीव्र किया है, चर्चा कीजिए।
- समकालीन भारतीय समाज में धार्मिक कट्टरतावाद ने आतंकवाद को संपोषित करके आन्तरिक सुरक्षा के समक्ष चुनौती प्रस्तुत कर रहा है। चर्चा कीजिए।
- समकालीन भारत में धार्मिक कट्टरतावाद का उद्भव आधुनिकीकरण की वर्तमान प्रक्रिया पर प्रश्न चिह्न खड़ा करता है। स्पष्ट कीजिए।
- धार्मिक कट्टरतावाद के नकारात्मक परिणाम का समाधान उसी आधुनिकता से संभव है जिसके विरोध में इसका उद्भव हुआ है। चर्चा कीजिए।

Dr. S. S. Pandey

TOPIC

धार्मिक पुन:प्रवर्तनवाद

Religious Revivalism

धार्मिक पुन:प्रवर्तनवाद / Religious Revivalism

- धार्मिक पुन:प्रवर्तनवाद का अर्थ
- धार्मिक पुन:प्रवर्तनवाद के लक्षण
- धार्मिक पुन:प्रवर्तनवाद के सामाजिक परिणाम
- धार्मिक पुन:प्रवर्तनवाद के कारण
- समीक्षा एवं निष्कर्ष

धार्मिक पुन:प्रवर्तनवाद का अर्थ

Meaning of Religious Revivalism

सामाजिक जीवन के सभी क्षेत्रों में धर्म के प्रभाव एवं प्रचलन में पुनः वृद्धि

धार्मिक पुनःप्रवर्तनवाद का लक्षण

Characteristic of Religious Revivalism

1. सामाजिक जीवन के सभी क्षेत्रों में धर्म एवं धार्मिक मान्यताओं के प्रभाव एवं प्रचलन में पुनः वृद्धि
2. परंपरागत धार्मिक मान्यताओं एवं विश्वासों के अनुपालन पर जोर फलतः धर्म, पूजापाठ आदि के प्रचलन में वृद्धि
3. राजनीतिक, आर्थिक एवं सामाजिक (Political, Economic and Social) घटनाओं का धार्मिक विश्लेषण
4. एक तटस्थ अवधारणा जो मानव समाज हेतु प्रकार्यकारी एवं दुष्प्रकार्यकारी (Functional and Dysfunctional)

धार्मिक पुनःप्रवर्तनवाद के सामाजिक परिणाम

Social Consequences of Religious Revivalism

सकारात्मक परिणाम (Positive Results)

1. व्यक्ति के पहचान के रूप में स्थापित होकर वैश्वीकरणजनित पहचान के संकट के समाधान में सहायक
2. परंपरागत धार्मिक मान्यताओं के प्रसार द्वारा तीव्र सामाजिक परिवर्तन पर नियंत्रण लाकर सामाजिक विघटन (Social Disintegration) को रोकने में सहायक
3. विभिन्न धार्मिक संगठनों (Religious Organizations) के द्वारा मानवता की सेवा करके तथा इस दिशा में अनेक कार्यों का सम्पादन करके नवउदारवाद (Neoliberalism) के वर्तमान दौर में लोक कल्याणकारी राज्य के विकल्प के रूप में क्रियाशील
4. व्यक्ति को भावनात्मक सहारा प्रदान करके, आधुनिक उपभोक्तावादी समाज में उत्पन्न निराशा, तनाव एवं कुण्ठा (Stress and Frustration) से मुक्ति प्रदान करने में सहायक

5. विभिन्न धार्मिक चैनलों द्वारा प्रसारित कार्यक्रम, धार्मिक धारावाहिक एवं सिनेमा तथा धार्मिक संस्थाओं द्वारा संचालित कार्यक्रमों से लोगों को स्वस्थ मनोरंजन प्रदान करने एवं नैतिकता को सुदृढ़ करने में सहायक

6. परंपरा के कुछ महत्वपूर्ण एवं प्रकार्यात्मक पक्षों को पुनः प्रचलन में लाकर मानवता की सेवा (भारत में बाबा रामदेव द्वारा योगा, आयुर्वेद आदि का प्रचलन)

नकारात्मक परिणाम (Negative Consequences)

1. परंपरागत धार्मिक मान्यताओं के प्रति लोगों के भावनात्मक (Emotional) लगाव को बढ़ावा देकर लोगों के बीच रूढ़िवाद को बढ़ावा

2. रूढ़िवादी धार्मिक मान्यताओं एवं अतार्किक विचारों (Orthodox Religious beliefs and Irrational Ideas) का प्रचार-प्रसार करके मनुष्य की मानसिक गतिशीलता में बाधक तथा आधुनिकीकरण एवं नवाचार (Modernization and Innovation) का विरोध

3. लोगों में अपनी धार्मिक मान्यताओं के प्रति अंधलगाव को बढ़ाकर साम्प्रदायिकता (Communalism) के विकास में सहायक

4. अतार्किक एवं रूढ़िगत (Irrational and Conservative) मान्यताओं को फिर से प्रचलन में लाकर धर्मनिरपेक्षीकरण की प्रक्रिया का विरोध

धार्मिक पुनःप्रवर्तनवाद के कारण

Causes of Religious Revivalism

1. वैश्वीकरणजनित पहचान का संकट

2. विभिन्न धार्मिक संगठनों एवं नेताओं द्वारा धार्मिक मान्यताओं का प्रचार-प्रसार

3. राजनीतिक दलों एवं व्यक्तियों द्वारा मतों को लामबंद करके जनसमर्थन प्राप्ति हेतु धर्म का प्रयोग

4. धार्मिक रूढ़िवाद

5. धर्म का बाजारीकरण

6. सूचना एवं प्रचार के साधनों का विकास / सूचना क्रांति

7. धर्म के समकालीन प्रकार्य / लाभ

संभावित प्रश्न

- भारत में धर्मनिरपेक्षीकरण की प्रक्रिया पर धार्मिक पुनःप्रर्वतनवाद के प्रभावों की चर्चा कीजिए?
- क्या आप सहमत है कि धार्मिक पुनःप्रर्वतनवाद आधुनिक भारतीय समाज के निर्माण में अवरोधक है? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिए?
- धार्मिक पुनःप्रर्वतनवाद के उद्भव के बीज आधुनिकीकरण की असफलताओं में छिपे हुए है। चर्चा कीजिए?

Dr. S. S. Pandey

TOPIC

भारत में धर्म का राजनीतिकरण

Politicization of Religion in India

भारत में धर्म का राजनीतिकरण
Politicization of Religion in India

- धर्म का राजनीतिकरण का अर्थ
- भारत में धर्म का राजनीतिकरण का स्वरूप
- भारत में धर्म का राजनीतिकरण का लाभ
- भारत में धर्म का राजनीतिकरण की हानि
- समीक्षा

धर्म का राजनीतिकरण का अर्थ

Meaning of Politicization of Religion

राजनीतिक दलों द्वारा राजनीतिक हितों की पूर्ति हेतु धर्म के प्रयोग को, धर्म का राजनीतिकरण (Politicization of Religion) कहते हैं

धर्म का राजनीतिकरण का स्वरूप

Form of Politicization of Religion

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

1. धर्म के आधार पर राजनीतिक दलों (Political Parties) का निर्माण
2. धार्मिक आधार पर टिकट का बंटवारा
3. मंत्रिमंडल के निर्माण में धर्म को ध्यान में रखना
4. चुनावी फायदे के लिए मतों को लामबंद करने हेतु धर्म का प्रयोग
5. सरकार द्वारा नीतियों को निर्मित करते समय किसी धर्म विशेष का तुष्टिकरण (Appeasement)

भारत में धर्म का राजनीतिकरण के लाभ

Functions of Politicization of Religion in India

1. अल्पसंख्यकों के हितों का संरक्षण
2. अल्पसंख्यकों की राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित
3. अल्पसंख्यकों की रक्षा एवं भय से मुक्ति
4. शक्ति के विकेन्द्रीकरण (Decentralization of Power) द्वारा लोकतंत्र मजबूत

भारत में धर्म का राजनीतिकरण की हानि

Dysfunctions of Politicization of Religion in India

1. धार्मिक कट्टरतावाद को बढ़ावा तथा सांप्रदायिक तनाव एवं हिंसा (Communal Tension and Violence) में वृद्धि
2. धर्मनिरपेक्षीकरण की प्रक्रिया कमजोर
3. बहुसंख्यकों की प्रतिक्रिया में वृद्धि एवं उनका सांप्रदायीकरण
4. भारतीय संविधान की भावना के विपरीत फलतः लोकतंत्र कमजोर
5. उपरोक्त के परिणामस्वरूप विकास की प्रक्रिया बाधित

संभावित प्रश्न

- "राजनीतिकरण से धर्म का पुनः पृथक्करण, धर्म के राजनीतिकरण से उत्पन्न समस्याओं का अस्थायी समाधान है।" इससे आप कहाँ तक सहमत है? उत्तर दीजिए।
- "धर्म का राजनीतिकरण, सामान्यतः नकारात्मक अर्थों में रूढ़ हो गया है, परन्तु इसके कई सकारात्मक परिणामों ने लोकतंत्र को मजबूत भी किया है।" स्पष्ट कीजिए।

Dr. S. S. Pandey

TOPIC

भारत में धर्म का बाजारीकरण

Commercialization of Religion in India

भारत में धर्म का बाजारीकरण
Commercialization of Religion in India

- धर्म के बाजारीकरण का अर्थ
- भारत में धर्म का बाजारीकरण का स्वरूप
- भारत में धर्म के बाजारीकरण का लाभ
- भारत में धर्म के बाजारीकरण की हानि
- समीक्षा

धर्म के बाजारीकरण का अर्थ

Meaning of Commercialization of Religion

बाजार की शक्तियों द्वारा, लाभ की प्राप्ति हेतु धर्म को बाजार के वस्तु के रूप में प्रयोग, धर्म का **बाजारीकरण** कहलाता है।

भारत में धर्म का बाजारीकरण के स्वरूप

Nature of Commercialization of Religion in India

1. विभिन्न धार्मिक चैनल का उद्भव और धार्मिक कार्यक्रमों का प्रसारण
2. धार्मिक कथाओं पर आधारित फिल्म, धारावाहिक, कार्टून-शो आदि का निर्माण एवं प्रसारण
3. भजन एवं धार्मिक प्रवचन का व्यवसायीकरण
4. धार्मिक सेवा का व्यवसायीकरण एवं पूजा सामग्री (Commercialization of Religious Services and Puja Materials) का अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

   (मैकडोनाल्ड जैसी कंपनियों द्वारा नवरात्र बर्गर एवं नवरात्र थाली की बिक्री)

   (इंटरनेट के माध्यम से पूजा में भाग लेना एवं प्रसाद की प्राप्ति)

भारत में धर्म के बाजारीकरण का लाभ
Benefits of Commercialization of Religion in India

1. धर्म के सकारात्मक पक्षों का पुनः प्रचलन और इनसे भारतीय समाज लाभान्वित
2. धर्म आधारित परम्परागत असमानता में कमी और धर्म की सर्वसुलभता
3. व्यक्तिवाद के बढ़ते दौर में, धर्म आधारित नैतिकता का विकास
4. उपभोक्तावादजनित तनाव, कुंठा (Stress, Frustration) आदि से मुक्ति में सहायक

भारत में धर्म के बाजारीकरण की हानि
Disadvantages of Commercialization of Religion in India

1. धर्म के मूल पक्षों का गौण होना और धर्म में दिखावा पर जोर
2. धर्म में धन की भूमिका में वृद्धि और धार्मिक संस्थानों में विषमता में वृद्धि
3. ढेर सारे बाबाओं एवं पंडितों का उद्भव और धर्म के नाम पर शोषण
4. धार्मिक पुनःप्रवर्तनवाद एवं धार्मिक कट्टरतावाद- फलतः धर्म निरपेक्षीकरण की प्रक्रिया बाधित

संभावित प्रश्न

- "बाजार ने, विज्ञान एवं आधुनिकता से आहत धर्म को, विज्ञान एवं आधुनिक संसाधनों का प्रयोग करके नवजीवन प्रदान किया है परन्तु धर्म को इनकी कीमत, अपने मूल स्वरूप को खोकर चुकानी पड़ी है।" स्पष्ट कीजिए।